

वर्णाघात पुं. (तत्.) एक प्रकार का मानसिक रोग, वर्ण विशेष को अर्थात् रंग विशेष को देखकर मन में उत्पन्न हलचल।

वर्णात्मक वि. (तत्.) वर्णों वाला, जिसमें वर्ण हो, वर्णमय, रंगवाला।

वर्णात्मक भाषा स्त्री. (तत्.) 1. निर्धारित वर्णों के आधार पर लिखी जाने वाली मानव भाषा 2. निश्चित वर्णों से बनने वाले सार्थक शब्द तथा सार्थक वाक्यों वाली भाषा।

वर्णानुक्रम पुं. (तत्.) लिपि में वर्णों का नियत क्रम, वर्णक्रम।

वर्णानुक्रमण पुं. (तत्.) वर्णमाला क्रम से व्यवस्थित, ग्रंथ के अंत में दी जाने वाली शब्दों की सूची, अनुवर्णीकरण।

वर्णानुक्रमणिका स्त्री. (तत्.) वर्णमाला क्रम के अनुसार ग्रंथ के अंत में दी जाने वाली, संदर्भ ग्रंथों आदि की सूची।

वर्णानुक्रमिक वि. (तत्.) वर्णमाला के क्रम के अनुसार; वर्णमाला के क्रम से संबंधित।

वर्णानुक्रमिक कोश पुं. (तत्.) भाषा की वर्णमाला के क्रम पर आधारित कोश।

वर्णाभा स्त्री. (तत्.) हल्के और गहरे रंगों के प्रयोग से प्रकट की जाने वाली रंगों की आभा, रंगों की आकर्षक छटा।

वर्णाश्रम पुं. (तत्.) समाज के ब्राह्मण, क्षत्रिय आदि वर्ण तथा जीवन के ब्रह्मचर्य, गृहस्थ आदि आश्रम।

वर्णाश्रमी वि. (तत्.) चारों वर्णों और चारों आश्रमों पर विश्वास रखने वाला, चार वर्ण हैं- ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र, चार आश्रम हैं- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास।

वर्णिक वि. (तत्.) वर्ण-संबंधी, वर्ण का, (छंदशास्त्र में) जो मात्रिक न हो; वर्णों के क्रम और संख्या पर आधारित (छंद)।

वर्णिक छंद पुं. (तत्.) इस प्रकार के छंद जो मात्रिक छंदों से भिन्न होते हैं तथा सभी चरणों में वर्णों की संख्या तथा लघु वर्ण और गुरु वर्ण के नियत क्रम का पालन करते हैं, वर्णवृत्त।

वर्णिका स्त्री. (तत्.) 1. स्याही, मसि 2. रंग 3. रंग मंच के अभिनेताओं की वेषभूषा, पोशाक।

वर्णिकी स्त्री. (तत्.) विभिन्न रंगों की तरंग लहरों से निर्धारित अभिकल्पना (डिजाइन) का विज्ञान।

वर्णित वि. (तत्.) 1. जिसका वर्णन किया गया हो, प्रकट किया गया, व्याख्यायित 2. निरूपित, समझाया हुआ 3. रंगा हुआ, रंगीन।

वर्णिम पुं. (तत्.) 1. कोशविज्ञान में वर्णमाला का प्रत्येक वर्ण 2. (भाषा विज्ञान में) एक स्वनिम को सूचित करने वाला वर्ण-समूह, लेखिम।

वर्णिमा स्त्री. (तत्.) रंग की चमक-दमक, वर्ण की दीप्ति, रंगत, वर्णाभा।

वर्णी वि. (तत्.) 1. रंग वाला, रंग युक्त 2. रूप युक्त 3. सामाजिक वर्णों में से किसी एक वर्ण का 4. चारों वर्णों में से किसी एक वर्ण का पुरुष 5. चित्रकार 6. रंगरेज 7. लेखक।

वर्णोत्पत्ति स्त्री. (तत्.) 1. वर्ण का उत्पन्न होना, रंगों का प्रकट होना 2. भाषा के लिपि चिह्नों का निर्धारण।

वर्ण्य वि. (तत्.) 1. वर्णन करने योग्य 2. जिसका वर्णन किया जाना हो 3. रंग से संबंध रखने वाला पुं. प्रस्तुत विषय।

वर्तक वि. (तत्.) उपयोग करने वाला, इस्तेमाल करने वाला, काम में लाने वाला, व्यवहार करने वाला, बरतने वाला।

वर्तका वि. (तत्.) मादा बटेर, बतक पक्षी, वर्तकी।

वर्तन पुं. (तत्.) 1. इस्तेमाल करने का कार्य, काम में लाने का कार्य 2. कीमत में छूट, कटौती 3. वृत्ति, रोजी, व्यवसाय 4. फेरना, घुमाना 5. परिवर्तन, फेरना 6. स्थापन, रखना 7. सिलबट्टे से पीसना।